टायर स्टॉक्स पर भारी पड़ रही रबर की तेजी

बिजनेस भास्कर • नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय बाजार में रबर के दामों की तेजी टायर कंपनियों के स्टॉक्स पर बहुत भारी पड़ रही है। आशंका जताई जा रही है रबर की अंतरराष्ट्रीय तेजी का असर घरेलू स्तर पर रबर के दामों में और बढ़ोतरी के रूप में पड़ सकता है। इसी वजह से बाजारों में टायर कंपनियों के स्टॉक्स की भारी पिटाई हो रही है। सोमवार को मुंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज करने वाले दो टॉप शेयर टायर सेक्टर की कंपनियों फाल्कन टायर्स व डनलप इंडिया के ही रहे। साथ ही, अपोलो टायर्स, जेके टायर, एमआरएफ व सिएट के शेयरों में भी गिरावट का रुख रहा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में नेचुरल रबर की कीमतें 230 रुपये प्रति किलो के स्तर पर चल रहे हैं। जबकि, भारत के थोक बाजार कोट्टयम में नेचुरल रबर का दाम 220 से 222 रुपये प्रति किलो चल रहा है। हालांकि, बीते एक महीने में कोट्टयम में रबर के दाम करीब 15 रुपये प्रति किलो तक गिर चुके हैं। लेकिन, अंतरराष्ट्रीय बाजार में दाम ज्यादा से होने से कंपनियां आयात नहीं कर पा रही हैं। इन हालात में, आशंका जताई जा रही है कि जुलाई से सितंबर तक घरेलू स्तर पर रबर की कीमतों में तेजी बनी रहेगी। नेचुरल रबर का नया सीजन अब नवंबर में ही शुरू होगा। इसके बाद ही नेचुरल रबर के दामों में कुछ कमी की उम्मीद की जा सकती है। रबर के ऊंचे दामों को देखते हुए निवेशकों को आशंका है कि टायर निर्माता कंपनियों की लाभप्रदता पर इससे जबरदस्त विपरीत प्रभाव पड़ेगा। इसी वजह से सोमवार को निवेशकों ने टायर निर्माता कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त बिकवाली की। भारी बिकवाली के दबाव में फाल्कन टायर्स के शेयर का भाव 17.40 फीसदी की गिरावट के साथ 81.15 रुपये पर बंद हुआ। यह बीएसई में सूचीबद्ध किसी भी कंपनी के शेयर में सोमवार को दर्ज की गई सबसे ज्यादा गिरावट थी। एक समय तो कंपनी के शेयर का भाव 79 रुपये के स्तर तक आ गया था। यह इस शेयर का पिछले एक साल का सबसे निचला स्तर है।

साथ ही, डनलप इंडिया के शेयरों में 16.59 फीसदी की गिरावट रही और यह 44.25 रुपये पर बंद हुआ। कारोबारी सत्र के दौरान एक समय डनलप इंडिया का शेयर भी अपने 52 सप्ताह के निचले स्तर 42.60 रुपये पर आ गया था। टायर सेक्टर की दिग्गज कंपनी अपोलो टायर्स लिमिटेड के शेयरों में बीएसई में 4.63 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और यह 62.80 रुपये के स्तर पर बंद हुए। कारोबारी सत्र के दौरान एक समय कंपनी के शेयर का भाव एक माह के निचले स्तर 62.50 रुपये तक आ गया था।

बीएसई पे शेयरों की चाल

कंपनी	सोमवार का बंद भाव (रुपये में)	गिरावट (प्रतिशत में)
फाल्कन टायर्स	81.15	17.40
डनलप इंडिया	44.25	16.59
अपोलो टायर्स	62.80	4.63
एमआरएफ लि.	6,839.30	1.47
सिएट लिमिटेड	94.50	1.00
जेके टायर	87.00	0.63

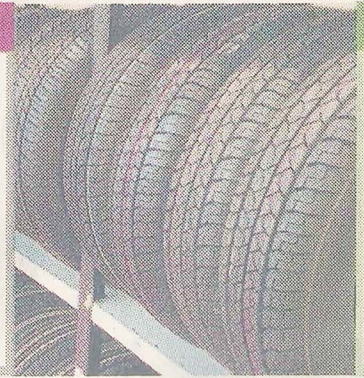

वजह

अंतरराष्ट्रीय बाजार में नेचुरल रबर की कीमतें 230 रुपये प्रति किलो के स्तर पर चल रहे हैं। जबकि, भारत के थोक बाजार कोट्टयम में नेचुरल रबर का दाम 220 से 222 रुपये प्रति किलो चल रहा है। इन हालात में, आशंका जताई जा रही है कि जुलाई से सितंबर तक घरेलू स्तर पर रबर की कीमतों में तेजी बनी रहेगी।